Roll No. ..... Total Pages : 3

10246

CMDE/M-24

हिन्दी नाटक

Paper : MAH-203

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. दिए गए पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए: (8)

तुम जीवन से तटस्थ हो सकते हो, परंतु मैं तो अब तटस्थ नहीं हो सकती। क्या जीवन को तुम मेरी दृष्टि से देख सकते हो? जानते हो मेरे जीवन के ये वर्ष कैसे व्यतीत हुए हैं? मैंने क्या-क्या देखा है? क्या से क्या हुई हूं?

अथवा

वह आपको बड़े-बड़े निरर्थक शब्द थूकने वाला नपुंसक बुद्धिवादी कहता था। आपने सचमुच मुझे कहीं का नहीं रखा। मेरे सब भ्रम टूट गए। अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। कल शायद कोई सवाल ही न उठे । (धीरे धीरे जाती है।)

2. पाठ बोध के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दें: (4×2=8)

मैं उस पहिए की तरह हूं
जो पूरे युद्ध के दौरान रथ में लगा था
पर जिसे अब लगता है कि वह गलत धुरी में लगा था और मैं अपनी उस धुरी से उतर गया हूं!

(क) उपयुक्त शीर्षक दें।

(ख) पठांश का मूल भाव क्या है?

(ग) उक्त वाक्य किसके संदर्भ में कहे गए हैं?

(घ) रचना और लेखक का नाम।

3. निम्न आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दें: (12×3=36)

(क) नाटक : अंधा युग समाज को मानवतावादी संदेश कहां तक देने में सफल हुआ है? स्पष्ट करें।

अथवा

नाटक : अंधा युग युद्ध त्रासदी का दस्तावेज है, स्पष्ट करें।

(ख) सामाजिक सरोकार क्या है ? नाटक : आषाढ़ का एक दिन का सामाजिक सरोकार स्पष्ट कीजिए।

अथवा

नाटक : आषाढ़ का एक दिन में चित्रित नारी पात्रों का वर्णन कीजिए।

(घ) नाटक : एक और द्रोणाचार्य वर्तमान शिक्षा प्रणाली को सवालों के कठघरे में खड़ा करती है, स्पष्ट करें।

अथवा

नाटक : एक और द्रोणाचार्य में वर्णित प्रो. अरविंद और विमलेंदु के चरित्र की तुलना कीजिए।

4. किन्हीं **चार** लघु उत्तरी प्रश्नों के उत्तर दें: (5×4=20)

(क) नाटक अंधेर नगरी : उद्देश्य।

(ख) नाटक ध्रुवस्वामिनी : विषय वस्तु।

(ग) नाटक बकरी : मूल संवेदना।

(घ) नाटक आगरा बाजार : मूल समस्या।

(ङ) नाटक कोणार्क : शोषित चित्रण।

(च) स्वदेश दीपक : साहित्यिक चिंतन।

(छ) असगर वजहत : नाटककार।

5. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दें: (1×8=8)

(क) शंकर शेष का जन्म कब हुआ?

(ख) हबीब तनवीर की किन्ही **दो** फिल्म के नाम।

(ग) जगदीश चंद्र के **दो** नाटकों के नाम।

(घ) 'मैंने मांडू नहीं देखा' किसकी रचना है?

(ङ) नाटक कोर्ट मार्शल : प्रकाशन वर्ष।

(च) नाटक बकरी : प्रकाशक का नाम।

(छ) नाटक जिन लाहौर नी वेख्या : प्रकाशन वर्ष।

(ज) अंधा युग : नाटक में दोनों प्रहरी किसके प्रतीक माने गए हैं?